श्री राजेन्द्र-धनचन्द्र-भूपेन्द्र-यतीन्द्र-विद्याचन्द्र-जयन्तसेन-शान्ति
गुरुवरों के विचारों/कार्यों को समर्पित

यतीन्द्र वाणी

हिन्दी पाक्षिक

संस्थापक- प. पू. तपस्वी योगिराज, संयमवयः स्थविर श्री शान्तिविजयजी म. सा.
प्रेरक- भाण्डवपुर तीर्थप्रेरक, प्रवचनकार प. पू. आचार्यप्रवर श्रीमद्विजय जयरत्नसूरीश्वरजी म. सा.

सम्पादक- पंकज बी. बालड़ स. सम्पादक- कुलदीप डाँगी 'प्रियदर्शी'

* वर्ष : 25 * अंक : 9 * मोटेरा, अहमदाबाद * दिनांक 15 अगस्त 2019 * पृष्ठ : 4 * मूल्य 5/- रुपये

गच्छाधिपतिश्री की शुभनिश्रा में महामन्त्र नवकार आराधना प्रारम्भ

उदयपुर, (स. सं),

परम पूज्य पुण्य-सम्राट श्रीमद्विजय जयन्तसेनसूरीश्वरजी म. सा. के पट्टधर गच्छाधिपति, धर्मदिवाकर श्रीमद्विजय नित्यसेनसूरीश्वरजी म. सा. आदि श्रमण-श्रमणिवृन्द की शुभनिश्रा में दिनांक 7 अगस्त 2019 को श्री शंखेश्वर पार्श्वनाथ राजेन्द्र-यतीन्द्र-जयन्तसेन वाटिका, पिपलौदा (म. प्र.) की धर्मधरा पर भव्य चातुर्मासिक आयोजनों के अन्तर्गत महामन्त्र नवकार आराधना प्रारम्भ हुई।

गच्छाधिपतिश्री की निश्रा में होने वाली नवदिवसीय नवकार आराधना में लगभग 500 आराधक आराधना कर रहे हैं। आराधना का शुभारम्भ प्रातः सूर्योदय के साथ ही नवकार मण्डप में प्रभु प्रतिमा, नवकार पट्ट, दादा गुरुश्री राजेन्द्रसूरिजी का चित्र एवं पुण्य-सम्राट गुरुदेवश्री की प्रतिमा को लाभार्थी परिवारों द्वारा विराजमान किया गया उसके पश्चात् आराधना प्रारम्भ हुई जिसमें गच्छाधिपतिश्री द्वारा विभिन्न धार्मिक क्रियाएँ मन्त्रोच्चार के साथ करवाई गई।

गच्छाधिपतिश्री क्रिया कराते हुए

आराधकों को नवकार महामन्त्र की महिमा बताते हुए गच्छाधिपतिश्री ने कहा कि नवकार अपने आप में मन्त्र, तन्त्र एवं यन्त्र युक्त विशिष्ट शक्तिपुंज है। श्रद्धावान् पुण्यवान के साथ सतत रहने से प्रभाव की प्रतीति होती है और साधनारत साधक को इसके प्रत्येक पद का उत्कृष्ट चिन्तन करते-करते स्वभाव के दर्शन होते हैं। नवकार ही हमें भवपार कराने वाला है।

मुनिराजश्री सिद्धरत्नविजयजी म. सा. एवं मुनिराजश्री विद्वद्रत्नविजयजी म. सा. ने सभी सात तीर्थों के बारे में प्रवचन के माध्यम से विस्तृत जानकारी प्रदान की। आराधना के प्रथम दिवस नमो अरिहंताणं पद की भाव यात्रा हुई। नमोअरिहंताणं पद के सात तीर्थ श्री नवकार तीर्थ, श्री मोहनखेड़ा तीर्थ, श्री अष्टापद तीर्थ, श्री रिंगनोद तीर्थ, श्री हत्थुण्डी तीर्थ, श्री तालनपुर तीर्थ, श्री नन्दीवर्द्धन तीर्थ की गच्छाधिपतिश्री द्वारा महाराजा भरत चक्रवर्ती की स्थापना कर संगीतमय नवकार भाव यात्रा प्रारम्भ करवाई साथ ही लाभार्थी परिवार श्री बाबूलालजी ऋषभकुमारजी धींग परिवार द्वारा अष्टप्रकारी पूजा भी की गई।

उपस्थित आराधक

इस अवसर पर दादा गुरुदेवश्री एवं पुण्य-सम्राट गुरुदेवश्री की आरती का लाभ पूर्व ऊर्जामन्त्री श्री पारसजी जैन, उज्जैन ने लिया, प्रभावना का लाभ श्री कान्तिलालजी, वीरेन्द्रकुमारजी, विनयजी-जावरा, श्री प्रकाशचन्द्रजी साँवेर, श्री राजमलजी पोरवाल-मन्दसौर ने लिया तथा गहुँली का लाभ श्री राजेशजी भण्डारी परिवार द्वारा लिया गया। सभी लाभार्थी परिवारों का श्रीसंघ अध्यक्ष श्री बाबूलालजी धींग ने बहुमान किया।

गच्छाधिपतिश्री एवं श्रमण-श्रमणिवृन्द के दर्शनार्थ प्रतिदिन श्रीसंघों एवं गुरुभक्तों का आगमन हो रहा है, इसी क्रम में खाचरौद से जैन सोश्यल ग्रुप के 325 सदस्यों का दर्शन-वन्दन हेतु आगमन हुआ। गच्छाधिपतिश्री की निश्रा में विविध तपस्याएँ भी गतिमान हैं।

आचार्यदेवेशश्री का अवतरण दिवस अहिंसा दिवस के रूप में मनाया

उदयपुर, (स. सं),

धर्मधरा धानेरा नगरी में चातुर्मासार्थ विराजमान प. पू. पुण्य-सम्राट श्रीमद्विजय जयन्तसेनसूरीश्वरजी म. सा. के पट्टधर एवं कृपासिन्धु, योगिराज, संयमवयः स्थविर श्री शान्तिविजयजी म. सा. के सुशिष्यरत्न भाण्डवपुर तीर्थोद्धारक, एकता के प्रबल पक्षधर, आचार्यदेवेश श्रीमद्विजय जयरत्नसूरीश्वरजी म. सा. का 60 वाँ अवतरण दिवस दिनांक 3 अगस्त 2019 को अहिंसा दिवस के रूप में हर्षोल्लास के साथ मनाया गया।

अवतरण दिवस के उपलक्ष्य में प्रातः 9.30 बजे गुणानुवाद सभा आचार्यदेवेशश्री आदि श्रमण-श्रमणिवृन्द की निश्रा एवं नगरपालिका अध्यक्ष श्री युसुफ पठान व नगरपालिका ई.ओ. श्री जोशीजी के मुख्य आतिथ्य में प्रारम्भ हुई।

आचार्यदेवेशश्री हृदयोद्गार प्रकट करते

आचार्यदेवेशश्री ने अपने उद्गार प्रकट करते हुए कहा कि मेरी जीवन यात्रा को इस मुकाम पर पहुँचाने का परम उपकार एवं श्रेय वचनसिद्ध, योगिराज संयमवयः स्थविर श्री शान्तिविजयजी म. सा. एवं राष्ट्रसन्त पुण्य-सम्राट गुरुदेव श्री जयन्तसेनसूरीश्वरजी म. सा. का है। जिन्होंने समय-समय पर मेरा मार्ग प्रदर्शित कर जिनशासन के कार्यों के निष्पादन के लिए अपना आत्मीय आशीर्वाद प्रदान किया। मैं उन दोनों पुण्यात्माओं का सदैव ऋणी रहूँगा। धानेरा नगरी पुण्यवन्त आचार्यदेव श्रीमद्विजय धनचन्द्रसूरिजी की पाटगादी है और जैन समाज एवं हिन्दू समाज द्वारा श्रावण मास एवं पर्युषण पर्व के दिनों में चल रहे अवैध बूचड़खाने बन्द करवाने हेतु अपना मन्तव्य रखा। जिस पर उपस्थित नगरपालिका अध्यक्ष एवं प्रशासनिक अधिकारियों ने अवैध बूचड़खाने बन्द कराने की कार्यवाही में अपना पूर्ण सहयोग प्रदान करने की बात कही।

कार्यदक्ष मुनिराजश्री आनन्दविजयजी म. सा. ने जानकारी देते हुए बताया कि 60 वें अवतरण दिवस के उपलक्ष्य में जीवदया की टीप की गई। जिसमें उपस्थित नगरपालिका अध्यक्ष एवं सभी सदस्यों के साथ ही उपस्थित श्रावक-श्राविकाओं ने भी राशि लिखवाकर अभयदान किया। श्रीसंघ की ओर से नगरपालिका अध्यक्ष एवं ईओ सा. का बहुमान किया गया।

श्री पठान का बहुमान करते

दोपहर 12.30 बजे श्रीसंघ स्वामीवात्सल्य आयोजित किया गया। दोपहर में सामूहिक सामायिक एवं श्री शान्तिनाथ पंचकल्याणक पूजा संगीत की स्वरलहरियों के साथ संगीतकार द्वारा पढ़ाई गई। सायं श्री शान्तिनाथ जिनालय में कुमारपाल महाराजा की आरती का भव्य आयोजन किया गया, जिसका लाभ श्रीमती जयाबेन प्रकाशभाई सवानी ने लिया। दोपहर गुरुदेव की आरती का लाभ श्री रमेशकुमारजी छगनलालजी सेठ, धानसा निवासी ने लिया।

इस अवसर पर नगर निवासियों के अतिरिक्त चैन्नई, बैंगलार, बड़नगर, जावरा, थराद, बाग, थराद, डीसा, अहमदाबाद, जालोर, सायला, भीनमाल, सुराणा, मेंगलवा, उदयपुर आदि नगरों के अतिरिक्त निकटवर्ती नगरों के श्रीसंघ प्रतिनिधि एवं कई गुरुभक्त उपस्थित थे।

bhandavpur@gmail.com BTveer www.bhandavpur.com
/bhandavpur +91-7340009222

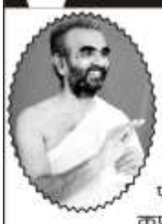

आचार्यदेवेशश्री की निश्रा में मासक्षमण तपोऽभिनन्दन

उदयपुर (स. सं.),

प. पू. पुण्य-सम्राट गुरुदेवश्री के पट्टधर एवं योगिराज, कृपासिन्धु गुरुदेव के सुशिष्य माण्डवपुर तीर्थोद्धारक आचा र्यदेवेश, सूरिमन्त्राराधक, आचार्यदेवेश श्रीमद्विजय जयरत्नसूरीश्वरजी म. सा. एवं विदुषी साध्वीवर्या श्री सूर्यकिरणाश्रीजी म. सा. आदि श्रमण-श्रमणिवृन्द की पावन निश्रा में प.पू. चर्याचक्रवर्ती आचार्य भगवन्त श्रीमद्विजय धनचन्द्रसूरीश्वरजी म. सा. की पाटगादी स्थली धर्मनगरी धानेरा (गुजरात) में त्याग-तपस्या एवं जप के माध्यम से अलौकिक धर्मगंगा प्रवहमान हो रही है।

आचार्यदेवेशश्री के सान्निध्य में श्रावक-श्राविका नवकार आराधना करते हुए पुण्यार्जन कर रहे हैं तो दूसरी ओर सद्प्रेरणा और शुभाशीर्वाद से तपस्वी भाई-बहिन छोटी-बड़ी तपस्या करते हुए अपने कर्मों की निर्जरा कर रहे हैं। दीर्घ तपस्या के क्रम में श्री महामृत्युंजय तप आराधिका शा. अशोककुमारजी धनराजजी श्रीश्रीमाल की सुपुत्री सुश्री पायलकुमारी ने 31 उपवास की तपस्या सानन्द की है।

दीर्घ तपस्विनी की तपस्या के अनुमोदनार्थ धानेरा नगरी में तपस्वी बहिन का भव्य वरघोड़ा बैण्ड-बाजे घोड़े, बग्घी के साथ निकाला गया। वरघोड़े के मार्ग में सम्मिलित श्रावक-श्राविकाएँ सम्पूर्ण नगर में तपस्वी अमर रहे का जयघोष गुँजायमान कर रहे थे। दिनांक 13-8-2019 को प्रातः 10 बजे आचार्यदेवेशश्री के मुखारविन्द से सकल श्रीसंघ की उपस्थिति में पच्चक्खाण कराया गया। दोपहर 3 बजे महिलाओं द्वारा मंगल गीत का आयोजन 76/बी, 8वीं गली, धानेरा में किया गया। जिसमें विशाल संख्या में महिलाओं ने आकर मंगल गीत गुँजार किया।

दिनांक 15-8-2019 को आचार्यदेवेश के सान्निध्य में प्रातः 10 बजे तपस्विनी बहिन पायलकुमारी को पारणा करवाया गया। इस अवसर पर आचार्यदेवेशश्री ने तप की महिमा बताते हुए कहा कि मनुष्य के कर्मों की निर्जरा का कोई श्रेष्ठ से श्रेष्ठतम साधन है तो वह तपस्या है। हमारे तीर्थंकर देवों ने भी तप के द्वारा अपने कर्मों की निर्जरा करते हुए अपना आत्मकल्याण करते हुए केवल्य को प्राप्त किया है। आवश्यक नहीं कि हम दीर्घ तपस्या ही करें। शास्त्रों में वर्णित है कि यथाशक्ति पच्चक्खाण। हमारी शक्ति और सामर्थ्यानुसार हमें तप करने की भावना हमारे भीतर रखनी चाहिये और जहाँ भाव आ जाता है तो अभाव स्वतः ही समाप्त हो जाता है और हम तप के पथ पर आरूढ़ हो जाते हैं।

दोपहर 12.15 बजे सकल श्रीसंघ एवं पधारे मेहमानों का स्वामीवात्सल्य आयोजित किया गया, जिसका लाभ शा. अशोककुमारजी धनराजजी श्रीश्रीमाल परिवार, धानेरा-समदड़ी-अहमदाबाद ने लिया। इस अवसर पर अनेक नगरों के श्रीसंघ प्रतिनिधि पधारे एवं तपस्विनी बहिन की सुखसाता-पृच्छा करते हुए तप की अनुमोदना की।

नवकार आराधना में आराधकों को प्रतिदिन कार्यदक्ष मुनिराजश्री आनन्दविजयजी म. सा. एवं मुनिराजश्री जिनरत्नविजयजी म. सा. महामन्त्र नवकार की महिमा दर्शाते हुए भाव वन्दना के साथ अपनी मधुर वाणी के द्वारा सभी को महामत्र की महिमा का रसपान करा रहे हैं।

आचार्यदेवेशश्री के दर्शन-वन्दन करने को प्रतिदिन श्रीसंघों एवं गुरुभक्तों का आगमन हो रहा है। चातुर्मास आयोजक श्री सौधर्मबृहत्तपोगच्छीय त्रिस्तुतिक जैन संघ एवं श्री राजेन्द्रसूरीश्वर गुरु मन्दिर धानेरा पधारे अथितियों की भावभीनी साधर्मिक भक्ति के प्रसंग को प्राप्त कर प्रसन्नता का अनुभव कर रहा है।

योगी-वाणी

मनुष्य जीवन दुर्लभ है। इसकी सार्थकता तभी सम्भव है कि हम हिंसा की प्रवृत्तियाँ त्याग कर अहिंसक मार्ग के द्वारा हम अपना मनुष्य जन्म को सफल करें। हमारे तीर्थंकर देवों ने भी इसी मार्ग के द्वारा तीर्थंकर पद प्राप्त किया था।

-योगिराज गुरु श्री शान्तिविजयजी

यतीन्द्र वाणी में प्रकाशनार्थ सामग्री निम्न नम्बर व ई-मेल पर भिजावें।
कुलदीप 'प्रियदर्शी' 09413763991
e-mail : priyadarshikuldeep@gmail.com

सबसे श्रेष्ठ दान अभयदान

उदयपुर (स. सं.),

प. पू. पुण्य-सम्राट गुरुदेवश्री के पट्टधरद्वय की आज्ञानुवर्तिनी साध्वीश्री भक्तिरसाश्रीजी म. सा., साध्वीश्री सिद्धान्तरसाश्रीजी म. सा., साध्वीश्री नम्यरसाश्रीजी म. सा. आदि ठाणा की पावन प्रेरणा से बकरा ईद पर बकरों का अभय दान करने का संकल्प लिया गया। इसके लिए कुल एक लाख की राशि एकत्रित की गई।

त्रिस्तुतिक श्रीसंघ के इतिहास में प्रथम बार साध्वीश्री की प्रेरणा से अ. भा. श्री राजेन्द्र जैन महिला परिषद् जोधपुर के तत्वावधान में धर्मपुरा, जोधपुर में बकरों को छुड़ा करके उनको अभयदान देकर पुण्योपार्जन किया और जिनशासन की कीर्ति अक्षुण्ण रखने के दायित्व का निर्वहन किया। महिला परिषद् के कार्य की सभी ने अनुमोदना की। यतीन्द्र वाणी परिवार महिला परिषद् के इस कार्य की अनुमोदना करते हुए धन्यवाद ज्ञापित करता है।

साध्वीश्री की निश्रा में ध्वजारोहण

उदयपुर (स. सं.),

प. पू. पुण्य-सम्राट गुरुदेवश्री के पट्टधरद्वय की आज्ञानुवर्तिनी साध्वीश्री अनेकान्तलताश्रीजी म. सा. आदि ठाणा-5 की शुभ निश्रा में पुण्य-सम्राट गुरुदेवश्री के द्वारा अपने संयम जीवन में प्रथम चातुर्मास काल में प्रतिष्ठित ऐसे श्री शंखेश्वर पार्श्वनाथ जिनालय, बड़नगर में 7 वीं वार्षिक ध्वजारोहण विविध कार्यक्रमों के साथ सम्पन्न हुआ।

साध्वीश्री की निश्रा में श्री राजेन्द्रसूरि जैन ज्ञान मन्दिर से चल समारोह प्रारम्भ होकर नगर के विभिन्न मार्गों का परिभ्रमण करता हुआ जिसमें बच्चों एवं विभिन्न मण्डलों द्वारा आकर्षक प्रस्तुतियाँ देते हुए आदिनाथ परिसर पहुँचा। जहाँ नवकारसी के पश्चात् सत्तरभेदी पूजन के साथ लाभार्थी श्री राजेन्द्रजी जैन दंगवाड़ा परिवार द्वारा 7 वीं वार्षिक ध्वजारोहण हुआ। ध्वजारोहण के पश्चात् साध्वीश्रीजी ने प्रवचन के माध्यम से ध्वजा का महत्त्व सारगर्भित शब्दों में समझाया। सभी प्रतिभागियों एवं मण्डलों का बहुमान श्री शंखेश्वर पार्श्वनाथ-राजेन्द्र जैन मूर्तिपूजक ट्रस्ट लाभार्थी दंगवाड़ा वाला परिवार द्वारा किया गया।

स्मरण रहे कि श्री शंखेश्वर पार्श्वनाथ जिनालय की अंजन्लाका-प्रतिष्ठा 7 वर्ष पूर्व पुण्य-सम्राट गुरुदेवश्री जयन्तसेनसूरिजी म. सा. की निश्रा में भव्य महोत्सव के साथ दिनांक 17-8-2013 को सम्पन्न हुई थी।

साध्वीश्री की निश्रा में सामूहिक आयम्बिल

उदयपुर (स. सं.),

प. पू. पुण्य-सम्राट गुरुदेवश्री के पट्टधरद्वय गच्छाधिपतिश्री नित्यसेनसूरिजी म. सा. एवं संघ एकता शिल्पी आचार्यदेवेशश्री जयरत्नसूरिजी म. सा. की आज्ञानुवर्तिनी साध्वीश्री अमृतरसाश्रीजी म. सा. आदि ठाणा के नागदा नगर में चातुर्मासिक आयोजनों में नवकार आराधना चल रही है जिसमें कई आराधक आराधना कर रहे हैं। आराधना में दिनांक 12 अगस्त 2019 को साध्वीश्रीजी की पावन प्रेरणा से जीवदया हेतु आयम्बिल कराने का लाभ आदिनाथ फेमिली ग्रुप, नागदा द्वारा लिया गया। ग्रुप के द्वारा आज मूक पशुओं की रक्षार्थ लगभग 400 आयम्बिल तप के आराधकों को आयम्बिल कराया गया।

अनुकरणीय जीवदया अभियान

उदयपुर (स. सं.),

प. पू. पुण्य-सम्राट गुरुदेवश्री के पट्टधरद्वय के शुभाशीर्वाद से अ. भा. श्री राजेन्द्र जैन नवयुवक परिषद् एवं महिला परिषद्, कोयम्बटूर के संयुक्त तत्वावधान में भगवान महावीर प्रदत्त सन्देश जीओ और जीने दो को सार्थक करते हुए मूक पशुओं की समय से पूर्व हिंसकवृत्ति के कारण इहलीला समाप्त की जाती है, उन मूक पशुओं की अठारह लाख कीमत देकर उन्हें कोयम्बटूर की वेलांगिरि गौशाला लाकर नई जिन्दगी प्रदान की। यतीन्द्र वाणी परिवार परिषद् परिवार के इस कार्य की भूरि-भूरि प्रशंसा करते हुए अनुमोदना करता है।

bhandavpur@gmail.com BTveer www.bhandavpur.com
/bhandavpur +91-7340009222

श्री खिमावत की स्मृति में परिषद् द्वारा देशभर में वृक्षारोपण होगा

उदयपुर (स. सं.),

प. पू. पुण्य-सम्राट गुरुदेव, राष्ट्रसन्त श्रीमद्विजय जयन्तसेनसूरीश्वरजी म. सा. की सद्प्रेरणा से अ. भा. श्री राजेन्द्र जैन नवयुवक परिषद् की शाखाओं द्वारा देश भर में अनेक स्थानों पर पर्यावरणप्रेमी एवं परम गुरुभक्त श्री किशोरजी खिमावत की स्मृति में दिनांक 15 अगस्त 2019 स्वतन्त्रता दिवस पर वृक्षारोपण किया जायेगा।

अ. भा. श्री राजेन्द्र जैन नवयुवक परिषद् की राष्ट्रीय ईकाई के निर्देशानुसार सभी शाखाएँ अपने नगर में एक या उससे अधिक पौधे लगाएँगी एवं जब तक वह पौधा बड़ा नहीं हो जाता तब तक उसकी पूर्ण देखभाल करेगी। स्मरण रहे स्वयं श्री किशोरजी खिमावत ने इस अभियान को वृहद् स्तर पर प्रारम्भ किया था और लगभग 2 लाख से भी अधिक नीम के वृक्षों को पौध रूप से पल्लवित कर वृक्ष बनने तक उनकी देखभाल की थी। आज उनके पर्यावरण प्रेम की गाथाएँ सम्पूर्ण मारवाड़ में सड़क के किनारे लगे यह वृक्ष बोल रहे हैं।

ज्ञान मन्दिर में विभिन्न तप सम्पन्न

उदयपुर (स. सं.),

पुण्य-सम्राट गुरुदेवश्री के पट्टधरद्वय की आज्ञानुवर्तिनी साध्वीश्री मोक्षगुणाश्रीजी म. सा. आदि ठाणा की शुभ निश्रा में श्री राजेन्द्रसूरि ज्ञान मन्दिर, रतन पोल, अहमदाबाद में चातुर्मास के अन्तर्गत आयोजित विभिन्न कार्यक्रमों में तपस्या भी चल रही है। पुण्य-सम्राट गुरुदेवश्री की पुण्यतिथि सप्तमी को विशाल संख्या में गुरुभक्तों ने आयम्बिल की तपस्या की और पू. साध्वीश्री की प्रेरणा से चातुर्मास में आने वाली सभी पुण्य सप्तमी को आयम्बिल तप किये जायेंगे।

गुरुदेवश्री के आचार्य पद के छत्तीस गुण निमित्त 36 गुरुभक्तों ने उपवास किए एवं गुरुदेवश्री के 81 वर्ष की आयु की स्मृति में गुरुभक्तों ने 81 सामायिक एवं धार्मिक सूत्र की 81 नई गाथाएँ प्रारम्भ की। 45 आगम के एकासन तप भी हुआ। भगवान श्री नेमीनाथजी के जन्मकल्याणक निमित्त सामूहिक सामायिक की गई तथा सभी कार्यक्रमों में सामूहिक प्रभावना की गई।

तरुण परिषद् द्वारा पौधरोपण

उदयपुर (स. सं.),

पुण्य-सम्राट गुरुदेवश्री के दिव्याशीष एवं पट्टधरद्वय के शुभाशीर्वाद से अ. भा. श्री राजेन्द्र जैन तरुण परिषद्, निम्बाहेड़ा शाखा सदस्यों द्वारा अम्बामाता परिसर में 11 पौधे लगाए गए। पौधरोपण के साथ ही सदस्यों ने यह संकल्प लिया कि वे इन पौधों की पूर्ण देखभाल करेंगे और अधिक से अधिक पौधे लगाकर पर्यावरण को सुरक्षित करेंगे।

इस अवसर पर परिषद् के अध्यक्ष दिव्यांशु डाँगी, उपाध्यक्ष रूपेश सिसोदिया, महामन्त्री भारत सिंघवी, अभिषेक चपलोत, यश चपलोत एवं अन्य सदस्यों के साथ अम्बामाता परिसर के सदस्य भी उपस्थित थे।

साध्वीश्री की निश्रा में बालकों ने किया अष्टप्रकारी पूजा अनुष्ठान

उदयपुर (स. सं.),

प. पू. पुण्य-सम्राट गुरुदेव श्रीमद्विजय जयन्तसेनसूरीश्वरजी म. सा. के पट्टधरद्वय गच्छाधिपतिश्री नित्यसेनसूरीश्वरजी म. सा. एवं माण्डवपुर तीर्थोद्धारक आचार्यदेवेशश्री जयरत्नसूरीश्वरजी म. सा. की आज्ञानुवर्तिनी पू. साध्वीश्री पूर्णाकिरणाश्रीजी म. सा. आदि ठाणा की शुभ निश्रा में श्री राजेन्द्रसूरि आराधना भवन, पालड़ी-अहमदाबाद में दिनांक 4-8-2019 को दोपहर 2 बजे से 4 बजे तक 5 वर्ष से 15 वर्ष तक के बालकों द्वारा अष्टप्रकारी पूजा का अनुष्ठान किया गया।

इस अष्टप्रकारी पूजा अनुष्ठान में 120 बालकों ने लाभ लिया और विधि विधान के साथ भावपूर्वक अनुष्ठान सम्पन्न किया। इस प्रेरणादायी अनुष्ठान का लाभ पुण्य-सम्राट भक्त परिवार ने लिया। इस अवसर पर अनेक गुरुभक्त भी उपस्थित थे।

नेमीनाथ जन्मकल्याणक मनाया

उदयपुर (स. सं.),

प. पू. पुण्य-सम्राट गुरुदेव, राष्ट्रसन्त श्रीमद्विजय जयन्तसेनसूरीश्वरजी म. सा. के पट्टधरद्वय गच्छाधिपतिश्री नित्यसेनसूरीश्वरजी म. सा. एवं माण्डवपुर तीर्थोद्धारक आचार्यदेवेशश्री जयरत्नसूरीश्वरजी म. सा. की आज्ञानुवर्तिनी पू. गुरुणीमैया श्री लावण्यश्रीजी म. सा. एवं साध्वीश्री दमयन्तीश्रीजी म. सा. की सुशिष्या पू. साध्वीश्री सूर्योदयाश्रीजी म. सा., साध्वीश्री कैलाशश्रीजी म. सा., साध्वीश्री विपुलदर्शिताश्रीजी म. सा. आदि ठाणा की शुभनिश्रा में श्री सीमन्धरस्वामी राजेन्द्रसूरि ट्रस्ट-बेंगलोर के तत्वावधान में प्रभु श्री नेमीनाथजी का भव्यातिभव्य जन्मकल्याणक महोत्सव छप्पन दिक्कुमारियों के द्वारा सजीव चित्रण करते हुए हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। जिसमें कई महानुभावों ने उमंग और उत्साह के साथ भाग लिया।

आयोजन में परिषद् की अध्यक्षा श्रीमती प्रेमाबेन गाँधी मुथा द्वारा इन्द्र-इन्द्राणी का चढ़ावा लिया गया। इस अवसर पर परिषद् की सभी महिलाएँ एवं अनेक गुरुभक्त उपस्थित थे।

मोटेरा में चौंसठ प्रहरी पौषध आयोजन

उदयपुर (स. सं.),

प. पू. पुण्य-सम्राट गुरुदेव, राष्ट्रसन्त श्रीमद्विजय जयन्तसेनसूरीश्वरजी म. सा. के पट्टधरद्वय गच्छाधिपतिश्री नित्यसेनसूरीश्वरजी म. सा. एवं माण्डवपुर तीर्थोद्धारक आचार्यदेवेशश्री जयरत्नसूरीश्वरजी म. सा. की आज्ञानुवर्तिनी पू. साध्वीश्री अनुपमदृष्टाश्रीजी म. सा. आदि ठाणा की शुभनिश्रा में श्राविकाओं के लिए पर्युषण महापर्व में चौंसठ प्रहरी पौषध का भव्यातिभव्य आयोजन श्री सौधर्मबृत्तपोगच्छीय त्रिस्तुतिक जैन संघ अहमदाबाद (राजनगर) एवं अ. भा. श्री राजेन्द्र जैन नवयुवक परिषद् अहमदाबाद के संयुक्त तत्वावधान में मोटेरा अशोक विहार में आयोजित किया जा रहा है।

जिन श्राविकाओं को चौंसठ प्रहरी पौषध करने की भावना हो वह फॉर्म भरने हेतु निम्न नम्बर पर सम्पर्क करें। 1. श्री पेलेस मोरखिया 9016599399, 2. श्री अल्पेशभाई अदाणी 9327022847, 3. श्री बीरेन मोरखिया 9429717959।

मीठाखली में चौंसठ प्रहरी पौषध आयोजन

उदयपुर (स. सं.),

प. पू. पुण्य-सम्राट गुरुदेव, राष्ट्रसन्त श्रीमद्विजय जयन्तसेनसूरीश्वरजी म. सा. के पट्टधरद्वय गच्छाधिपतिश्री नित्यसेनसूरीश्वरजी म. सा. एवं माण्डवपुर तीर्थोद्धारक आचार्यदेवेशश्री जयरत्नसूरीश्वरजी म. सा. की आज्ञानुवर्ती मुनिराजश्री जिनागमरत्नविजयजी म. सा. आदि ठाणा की शुभनिश्रा में 14 वर्ष से अधिक वय के बाल युवाओं के लिए पर्युषण महापर्व में सामूहिक चौंसठ प्रहरी पौषध प्रवास का भव्यातिभव्य आयोजन श्री सौधर्मबृत्तपोगच्छीय त्रिस्तुतिक जैन संघ अहमदाबाद (राजनगर) के तत्वावधान में मीठाखली-अहमदाबाद में आयोजित किया जा रहा है। राजनगर में होने वाले चौंसठ प्रहरी पौषध का फॉर्म भरने की लिंक- http://Shrutsagaram.com

त्रिस्तुतिक जैन संघ अध्यक्ष का देहावसान

उदयपुर (स. सं.),

गुजरात की धर्मनगरी थराद (थीरपुर) नगर के त्रिस्तुतिक संघ के अध्यक्ष धर्मनिष्ठ सुश्रावक श्रेष्ठीवर्य श्री चम्पकभाई हालचन्दभाई देसाई का देवलोकगमन दिनांक 3-8-2019 को हो गया।

श्री चम्पकभाई देसाई साध्वीश्री अक्षयकलाश्रीजी म. सा. के सांसारिक पिताश्री थे एवं गुरुगच्छ के प्रति समर्पित एवं त्रिस्तुतिक संघ-थराद के अग्रणी सुश्रावक थे। आपके द्वारा की गई सेवाएँ चिरस्मरणीय एवं स्तुत्य हैं। यतीन्द्र वाणी परिवार श्री अरिहन्त प्रभु एवं दादा गुरुदेव से अभ्यर्थना करता है कि दिवंगत आत्मा को सद्गति तथा परिवारजनों को इस असह्य दुःख को सहन करने की शक्ति प्रदान करे।

जैन समाज का लोकप्रिय एवं सबसे अधिक संख्या में प्रकाशित हिन्दी पाक्षिक

यतीन्द्र वाणी पढ़िये, पढ़ाइये।
घर-घर तक इसे पहुँचाइये।

चित्रमय झलकियाँ

अवतरण दिवस पर वन्दन ! अभिनन्दन !

श्रावण शुक्ल तृतीया, सबका हर्षित जिया,
रेबारी कुल बगिया, आया नजराना है।
बागरा नगरी प्यारी, जरसीबाई महतारी,
सुरताराम देवासी, नाम दिया राणा है।
शान्तिविजयजी मिले, संयम के भाव खिले,
योगिराज चरण में, बनाया ठिकाना है।
शासन के रखवारे, तीर्थ अनेक सँवारे,
जयरत्नसूरिजी को, सबने ही माना है।

गुरुचरणोपासक
कुलदीप प्रियदर्शी-कल्पना,
सुरभि, दीक्षा, प्रज्ञा (पारदर्शी-डाँगी परिवार)
उदयपुर 9413763991, 9461615429

आत्मीय निवेदन

समस्त श्रीसंघों के अध्यक्षों, साधु-साध्वी भगवन्तों से निवेदन है कि आप अपने यहाँ होने वाले कार्यक्रमों के समाचार आदि प्रकाशित सामग्री प्रत्येक मास की 10 व 20 तारीख तक 'यतीन्द्र वाणी' में प्रकाशनार्थ भिजावें।

-सम्पादक, यतीन्द्र वाणी,
श्री राजेन्द्र-शान्ति विहार,
साबरमती-गाँधीनगर हाइवे, पो.- मोटेरा-382 424

श्री भाण्डवपुर तीर्थ द्वारा संचालित

श्री भाण्डवपुर तीर्थ एवं क्षेत्रीय सभी श्रीसंघों के द्वारा आयोजित सभी कार्यक्रमों के सीधे समाचार प्राप्त करने एवं तीर्थ परिसर में आवासीय सुविधा हेतु अग्रिम बुकिंग आदि के लिए लिंक से जुड़िये

✻ रजिस्ट्रेशन फॉर्म लिंक ✻
http://bhandavpur.com/registration-form/

bhandavpur | bhandavpur@gmail.com
+91-7340009222 | www.bhandavpur.com
पेढ़ी +91-7340019702-3-4 | BTveer

श्री राजेन्द्र-धनचन्द्र-भूपेन्द्र-यतीन्द्र-विद्याचन्द्र-जयन्तसेन-शान्ति
गुरुवरों के विचारों एवं कार्यों को समर्पित
सम्पूर्ण जैन समाज का ज्ञानवर्धक लोकप्रिय हिन्दी पाक्षिक पत्र

यतीन्द्र वाणी
हिन्दी पाक्षिक

सम्पादक
पंकज बी. बालड़

स. सम्पादक
कुलदीप डॉंगी 'प्रियदर्शी'

प्रधान कार्यालय
श्री राजेन्द्र-शान्ति विहार
विसामो बंग्लोज के पास,
विसत-गाँधीनगर हाइवे,
मोटेरा, चान्दखेड़ा, साबरमती,
अहमदाबाद-382 424 (गुजरात)

सदस्य शुल्क

संरक्षक सं.	11000/- रुपये
सदस्य सं.	7100/- रुपये
आजीवन ग्राहक	1000/- रुपये
एक प्रति	5/- रुपये

विज्ञापन दर

प्रथम पूरे पृष्ठ के -	5100/- रुपये
अन्य पूरे पृष्ठ के -	2100/- रुपये
अन्तिम पूरे पृष्ठ के -	3100/- रुपये
अन्दर के एक चौथाई के -	801/- रुपये

विशेष सूचना-प्रत्येक मास की 10 एवं 20 तारीख तक विज्ञापन एवं समाचार कार्यालय पर भेजना अनिवार्य है।
चैक या ड्राफ्ट **'यतीन्द्र वाणी'** के नाम से भेजे।

✻ लेखक के विचारों से संस्था और सम्पादक का सहमत होना अनिवार्य नहीं। ✻ सम्पादक, यतीन्द्र वाणी

प्रेषक :
यतीन्द्र वाणी (हिन्दी पाक्षिक)
C/o. श्री राजेन्द्र-शान्ति विहार
विसामो बंग्लोज के पास,
विसत-गाँधीनगर हाइवे,
मोटेरा, चान्दखेड़ा, साबरमती,
अहमदाबाद-382 424 (गुजरात)
दूरध्वनि : 079-23296124,
मो. 09426285604
e-mail : yatindravani222@gmail.com
www.shrirajendrashantivihar.com

'Reg. Under Postal Registration No. AHD-C/22/2018-2020 VALID UPTO 31st December-2020 issued by the SSPO's Ahmedabad City Division, permitted to post at Ahmedabad PSO on 1st & 15th of every month.' Published 1st & 15th of every month'
RNI No. GUJ/HIN/1999/321
Licensed to Post Without Prepayment No. PMG/HQ/070/2018-20 valid up to 31/12/2020

श्री..
....
....

स्वत्वाधिकार प्रकाशक, मुद्रक- शान्तिदूत जैनोदय ट्रस्ट, सम्पादक- पंकज बी. बालड़, यतीन्द्र वाणी हिन्दी पाक्षिक, श्री राजेन्द्र शान्ति विहार, पो.- मोटेरा-382 424 से प्रकाशित एवं सनसाईन फोटो प्रिन्ट, एफ-4, तुषार सेन्टर, नवरंगपुरा, अहमदाबाद में मुद्रित